

# नेपाल राजपत्र

## भाग ३

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

काठमाडौं, जेठ ११ गते २०३३ साल

श्री ५ को सरकार

प्रशासन व्यवस्था विभागको

सूचना

निजामती सेवा नियमावली, २०२१ को नियम ११.२१ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी श्री ५ को सरकारले सोही नियमावलीको अनुसूची १ (क) को नं. १५ मा रहेको “श्री ५ को सरकारको विभागका सबै डाइरेक्टरहरू” भन्ने वाक्यांशको सट्टा “श्री ५ को सरकारको विभागका सबै महानिर्देशक तथा निर्देशकहरू” रहने गरी हेरफेर गरेको छ ।

आज्ञाले—

विष्णुप्रसाद खनाल

श्री ५ को सरकारको सचिव

८२९ (८२९) (१६)

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

को २ की बातें

प्रधानमन्त्र अवधारणा उत्तरायणी

सुनना

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद  
कानूनी विवरण दिए गए हैं और इसके अनुसार विवरण दिए गए हैं। इसका उत्तरायणी  
का समय भला के टाइपोग्राफ़िक लिखा है।

साहित्य-

संस्कृत विषय

कानूनी विवरण की विवरण

ठारीकरण द्वारा दिए गए

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

प्रधानमन्त्र अवधारणा उत्तरायणी

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

ठारीकरण

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

को २ की अवधारणा विषय १०८३१-१०८२ को लिखा गया है इसमें दूरभासाद

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

(622) (22)

(22)